आज की मुरली का सहज सार और सहज पुरुषार्थ --------- Date: 21-01-15

हम भाग्यशाली आत्माओं को परमातम प्यार देकर शांत, शीतल और संतुष्ट बनाने वाले, रुहानी प्यार के सागर बाप ने कहा, मीठे बच्चे - पतित से पावन बनाने वाले बाप के साथ तुम्हारा बहुत-बहुत लव होना चाहिए, सवेरे-सवेरे उठकर पहले-पहले कहो शिवबाबा गुडमार्निंग.

सारे कल्प में परमात्म प्यार हम गिनी-चुनी आत्माओं को ही इस संगम पर प्राप्त होता हैं. विश्व की सर्व आत्मायें जिसको मिलने के लिए तड़पते है वह ग़ॉड फादर, बाप हमें कितना प्यार करता हैं, हमारे बीना उनको भी बेआरामी हो जाती हैं. ऐसे प्यार के सागर, बाप की आज की मुरली से कुछ प्यार भरे महा-वाक्यों को बड़ी धैर्यता, गम्भीरता और समझ से बाप की याद में रहकर पढ़ेंगे और बाप के लव में लवलीन हो जायेंगे.

- बाबा कहते हैं मीठे बच्चे ततत्वम अर्थात तुम आत्मायें भी शान्त स्वरूप हो. तुम सर्व आत्माओं का स्वधर्म है ही शान्ति. मैं तो शरीर धारी नहीं हूँ. मैं परमधाम से आकर तुम बच्चों के सन्मुख हुआ हूँ. बच्चों को फिर से नॉलेज देता हूँ क्योंकि मैं हूँ ज्ञान का सागर. मैं आता हूँ तुम बच्चों को पढ़ाने, राजयोग सिखाने. राजयोग सिखाने वाला भगवान ही हैं. तो मीठे बच्चे अपने को आत्मा समझो और मुझे याद करो.

- बाबा कहते हैं बच्चों के अन्दर में बहुत खुशी होनी चाहिए. ओहो! बेहद का बाप कहते हैं मीठे-मीठे बच्चों मुझे याद करो तो तुम सतोप्रधान बनेंगे. विश्व का मालिक बनेंगे. बाप कितना बच्चों को प्यार करते हैं. ऐसा विश्व का मालिक बनाने वाले, पतित से पावन बनाने वाले बाप के साथ बहुत लव होना चाहिए. सवेरे-सवेरे उठते है पहले-पहले शिवबाबा से गुडमॉर्निंग करना चाहिए. बाप को गुडमॉर्निंग करेंगे तो बहुत खुशी में रहेंगे.

- बाबा कहते है मीठे बच्चे, बाप को बड़े धैर्य, गम्भीरता और समझ से याद करना होता है. जो बच्चे बाप को एक्यूरेट और जास्ती याद करते हैं उनको करेन्ट जास्ती मितली है क्योंकि याद से याद मिलती है. योग से ही तुम्हारी आत्मा सतोप्रधान बनती है. अच्छी रीति प्यार से बाप को याद करेंगे तो आटोमेटिकली करेन्ट मिलेगी, हेल्दी बन जायेंगे. करेन्ट से तुम्हारी आयु भी बढ़ती है. बच्चे याद करते हैं तो बाबा भी सर्चलाइट देते हैं. बाप कितना बड़ा भारी खजाना तुम बच्चों को देते हैं.

- बाबा कहते हैं मीठे बच्चों को यह पक्का याद रखना है कि शिवबाबा हमको पढ़ाते हैं. शिवबाबा पतित-पावन भी है और सद्गति दाता भी हैं. तुम्हें स्वर्ग की राजाई देते हैं. बाबा कितना मीठा है. कितना प्यार से बच्चों को बैठ पढ़ाते हैं. बच्चों को कितना प्यार करते हैं. बाबा बच्चों को कोई तकलीफ़ नहीं देते. सिर्फ कहते है मुझे याद करो और चक्र को याद करो. ऐसे बाप की याद तो दिल में ठहर जानी चाहिए. एक बाप की याद ही सतानी चाहिए क्योंकि बाप से ही कितना भारी वर्सा मिलता है.

- बाबा कहते हैं मीठे बच्चे जितना तुम बहुतो का कल्याण करेंगे उतना ही तुमको उजूरा मिलेगा. ज्ञान सागर से ज्ञान रत्नों की झोली भरकर फिर दान भी करना है. जो बच्चे दान करते है वह बाबा को भी बहुत प्यारे लगते हैं. बच्चों के अन्दर में कितनी खुशी होनी चाहिए. जितना बाप को याद करेंगे उतना ही बाप से लव बढ़ता जायेगा, बाप से कशिश होगी.

- शिवबाबा कहते हैं मीठे बच्चे तुम्हारी हमारे साथ सगाई है, ब्रह्मा के साथ सगाई नहीं है. सगाई पक्की हो गई फिर तो उनकी ही याद सतानी चाहिए. एक बाप के सिवाय और कोई याद न आये.

- बाबा कहते हैं तुम बच्चों बिगर हमको भी जैसे बेआरामी होती है. जब समय होता है तो बाप को भी बेआरामी हो जाती है. बस अभी हम जाऊं, बच्चे बहुत पुकारते हैं, बहुत दुखी हैं. बाप को बच्चों पर तरस पड़ता है. अब तुम बच्चों को चलना है घर. फिर वहाँ से तुम आपेही चले जायेंगे सुखधाम. अपनी अवस्था अनुसार तुम्हारी आत्मा चली जायेगी.

- बाबा कहते हैं मीठे बच्चे इस पुरानी दुनिया को अब भूल जाओ. पिछाड़ी में तो यह सब भूल ही जाना है. बुद्धि लग जाती है अपने शान्तिधाम और सुखधाम में. बाप को याद करते-करते बाप के पास चले जाना हैं. बाबा ने तुम्हें नये सतयुगी शरीर का साक्षात्कार करा दिया है. वहाँ तुम्हें हीरे जवाहरों के महल मिल जायेंगे. ऐसे सुखधाम में जाने के लिए तुम्हें अभी नींद को जीतने वाले बनना है, मामेकम याद करो और विचार सागर मन्थन करो.

- बाबा कहते हैं बच्चे याद करते है तो बाप भी प्यार करते हैं. आत्मा को ही प्यार किया जाता है. बाप को बच्चों के चेहरे से ही मालूम पड़ जाता है कि बाप से कितना लव है. आत्मा बाप को देखती है. बाप हम आत्माओं को पढ़ा रहे हैं. बाप भी समझते हैं हम इतनी छोटी बिन्दी आत्मा को पढ़ाता हूँ. आगे चल तुम्हारी यह अवस्था हो जायेगी. समझेंगे हम आत्मा भाई-भाई को पढ़ाते हैं. ॐ शांति.